विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **शिव परमात्मा का कर्तव्य**

घनघोर रात की उतरन पर चुपके से आता हूँ
अज्ञान नींद में सोई हर आत्मा को जगाता हूँ

आता जो मेरे संपर्क में भूल जाता वो देहभान
पल भर में हो जाता पांच विकारों से अनजान

जमा लेते हैं संसार मे जब विकार अपना डेरा
मुक्ति दिलाता हूँ विकारों से काम यही है मेरा

सुखी जीवन जीने की सही विधि सिखाता हूँ
मैं गीता ज्ञान सुनाकर मानव को देव बनाता हूँ

याद दिलाता हूँ अपने बच्चों की सत्य पहचान
याद दिलाऊं बच्चों को भूला हुआ आत्मभान

मिलता हूँ अपने बच्चों से संगमयुग मे आकर
घर ले जाता हूँ बच्चों को पूरा पावन बनाकर

भेजता हूँ बच्चों को सतयुगी दैवी स्व राज्य में
पद पाते उतना जितना लिखते अपने भाग्य में

मेरा परिचय जानकर बच्चों करो यही तैयारी
परमधाम चलने के लिए बन जाओ निर्विकारी

ज्ञान योग के बल से सम्पूर्ण पावन बन जाओ
दैवी दुनिया सतयुग में जाकर पद ऊंचा पाओ , * ॐ शान्ति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi

OR scan this QR code with your phone camera ->